भारत अंडर-19 ने ऑस्ट्रेलिया को सात विकेट से हराया

सूर्यवंशी ने 22 गेंद में 38 रन की आक्रामक पारी खेली

कुंडू और त्रिवेदी ने नाबाद 152 रन की साझेदारी बनाई

ब्रिसबेन, 21 सितंबर. युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी के आक्रामक तेवरों के बाद विकेटकीपर अभिज्ञान कुंडू और वेदांत त्रिवेदी के नाबाद अर्धशतकों से भारत अंडर-19 क्रिकेट टीम ने रविवार को यहां पहले युवा एकदिवसीय मैच में ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 को सात विकेट से हरा दिया.

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलियाई टीम भारतीय गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के सामने नौ विकेट पर 225 रन ही बना सकी. इसके बाद मेहमान टीम ने इयान हीली ओवल में 117 गेंदे शेष रहते तीन विकेट गंवाकर आसानी से 227 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया जिसमें कुंडू और त्रिवेदी क्रमश: 87 और 61 रन बनाकर नाबाद रहे. सभी की नजरें 14 वर्षीय सूर्यवंशी पर टिकी थीं जिन्होंने केवल 22 गेंद पर सात चौकों और एक छक्के की मदद से 38 रन की ताबड़तोड़ पारी खेली. सूर्यवंशी का दबदबा इतना था कि कप्तान आयुष म्हात्रे ने उनके साथ पहले विकेट की 50 रन की साझेदारी में केवल छह रन बनाए. सूर्यवंशी को तेज गेंदबाज हेडन शिलर (59 रन पर एक विकेट) ने आउट करके ऑस्ट्रेलिया को पहली सफलता दिलाई. दो गेंद बाद चार्ल्स लैचमुंड (46 रन पर दो विकेट) ने म्हात्रे (06) को आउट कर दिया. विहान मल्होत्रा भी नौ रन बनाने के बाद लैचमुंड का शिकार बने जिससे 10वें ओवर में भारत का स्कोर तीन विकेट पर 75 रन हो गया.

> इससे पहले भारतीय गेंदबाजों ने अनुशासित लाइन और लेंथ से गेंदबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 230 रन के भीतर रोक दिया जो पहले बल्लेबाजी करते हुए घरेलू टीम की उम्मीद से काफी कम था। हालांकि अगर जॉन जेम्स आक्रामक पारी नहीं खेलते तो मेजबान टीम इतने रन भी नहीं बना पाती। जेम्स ने 68 गेंदों में नाबाद 77 रन बनाए। ऑस्ट्रेलियाई टीम 35 रन पर चार विकेट और फिर 107 रन पर छह विकेट गंवा चुकी थी। हेनिल पटेल 38 रन पर तीन विकेट चटकाकर भारत के सबसे सफल गेंदबाज रहे। कनिष्क चौहान (39 रन पर दो विकेट) और किशन कुमार (59 रन पर दो विकेट) ने दो-दो विकेट चटकाए.

सात्विक-चिराग बने चाइना मास्टर्स उपविजेता

कोरियाई जोड़ी ने 45 मिनट में फाइनल जीता

शेन्ज़ेन 21 सितम्बर. भारतीय पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी रविवार को लगातार दूसरे सप्ताह किसी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर इवेंट के फाइनल में उपविजेता रहे. चीन मास्टर्स सुपर 750 के फाइनल में उन्हें विश्व के नंबर एक खिलाड़ी किम वॉन-हो और सियो स्युंग-जाए की कोरियाई जोड़ी से हार का सामना करना पड़ा.

मौजूदा विश्व चैंपियन किम और सियो ने भारतीय जोड़ी को 45 मिनट में 21-19, 21-15 से हराया. यह सात्विक और चिराग की जोड़ी के लिए लगातार दूसरा फाइनल था, क्योंकि पिछले हफ्ते उन्हें हांगकांग ओपन के फाइनल में भी हार मिली थी. दो बार के विश्व चैंपियनशिप कांस्य पदक विजेता इस जोड़ी को मई 2024 में थाईलैंड ओपन के बाद से अपने पहले खिताब की तलाश है.

पहले गेम में, भारतीय खिलाड़ी 14-7 की शानदार बढ़त के साथ नियंत्रण में दिख रहे थे, लेकिन कोरियाई जोड़ी ने लगातार छह अंक जीतकर वापसी की और गेम अपने नाम कर लिया. दूसरे गेम में मुकाबला 11-11 से बराबरी पर था, जिसके बाद किम और सियो ने लगातार चार अंक लेकर अपनी बढ़त को मजबूत किया और अंतत: खिताब जीत लिया.

पुरुष एकल में वेंग होंगयांग जीते

कोरिया की ओलंपिक चैंपियन एन से-यंग ने महिला एकल का खिताब लगातार दूसरे साल अपने नाम किया। उन्होंने फाइनल में हान यूए को सिर्फ 33 मिनट में 21-11, 21-3 से हराया। वहीं, पुरुष एकल फाइनल में स्थानीय खिलाड़ी वेंग होंगयांग ने चीनी ताइपे के लिन चुन-यी को 21-11, 21-15 से मात दी।

प्रमोद भगत ने चीन में स्वर्ण पदक जीता

नई दिल्ली, 21 सितम्बर. भारत के स्टार पैरा-शटलर प्रमोद भगत ने 18 महीने बाद प्रतिस्पर्धी सर्किट में वापसी करते हुए चीन पैरा-बैडमिंटन अंतरराष्ट्रीय 2025 में पुरुष एकल एसएल3 वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर शानदार वापसी की है. यह जीत प्रमोद के लिए भावनात्मक थी, क्योंकि वह तीन %वेयरअबाउट्स विफलता% के कारण पेरिस पैरालंपिक में हिस्सा नहीं ले पाए थे. फाइनल मुकाबले में प्रमोद का सामना इंडोनेशिया के मुह अल इमरान से था. एक कड़े संघर्ष में प्रमोद ने पहला गेम 15-2 से गंवा दिया था, लेकिन अगले दो गेम 21-19 और 21-16 से जीतकर शीर्ष स्थान हासिल किया. इस टूर्नामेंट में भारतीय खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन किया.

गुवाहाटी से होगा महिला विश्व कप का आगाज

- बीसीसीआई को भारतीय टीम से खिताब की उम्मीद
- महिला वनडे विश्व कप भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में
- भारत का पहला मैच श्रीलंका के खिलाफ
- उद्घाटन समारोह में दिवंगत जुबिन गर्ग को श्रद्धांजलि

मुंबई 21 सितम्बर. भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने रविवार को उम्मीद जताई कि भारतीय महिला टीम 30 सितंबर से गुवाहाटी में शुरू होने वाले विश्व कप में खिताब का लंबा इंतजार खत्म करेगी। महिला वनडे विश्व कप इस बार भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में आयोजित हो रहा है, जिसमें भारत अपना पहला मैच श्रीलंका के खिलाफ खेलेगा।

गुवाहाटी में होने वाले उद्घाटन मैच से पहले एक भव्य समारोह आयोजित किया जाएगा। सैकिया ने बीसीसीआई मुख्यालय में मीडिया को बताया, अतीत में गुवाहाटी में आईसीसी (पुरुष) विश्व कप के अभ्यास मैच होते थे, लेकिन पहली बार आईसीसी महिला विश्व कप का आगाज यहां से हो रहा है। उन्होंने कहा कि हाल ही में इंग्लैंड में टीम के शानदार प्रदर्शन को देखते हुए, उन्हें यकीन है कि टीम इस बार खिताब जीतकर इतिहास रचेगी।

यह भी जानकारी दी गई कि उद्घाटन समारोह में दिवंगत गायक जुबिन गर्ग को श्रद्धांजलि देने के लिए 40 मिनट का कार्यक्रम समर्पित होगा। जुबिन का हाल ही में सिंगापुर में निधन हो गया था। सैकिया ने इसे क्रिकेट जगत की ओर से उन्हें दी जाने वाली सबसे बड़ी श्रद्धांजलि बताया। इसके अलावा, पहले मैच के दौरान पहली पारी समाप्त होने के बाद मशहूर गायिका श्रेया घोषाल भी प्रस्तुति देंगी।

स्वियातेक ने अलेक्जेंड्रोवा को हरा जीता कोरिया ओपन

- फाइनल में अलेक्जेंड्रोवा को 1-6, 7-6, 7-5 से हराया
- पहले सेट में स्वियातेक की लय बिगड़ी थी
- दूसरे सेट का फैसला टाईब्रेकर में हुआ
- तीसरे सेट में कांटे की टक्कर और शानदार फोरहैंड विनर

सोल 21 सितम्बर. विश्व की दूसरी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने रविवार को एक कड़े मुकाबले में रूसी खिलाड़ी एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा को हराकर कोरिया ओपन का खिताब अपने नाम कर लिया. ढाई घंटे से अधिक चले इस रोमांचक फाइनल में स्वियातेक ने 1-6, 7-6(3), 7-5 से जीत दर्ज की. यह इस साल उनकी तीसरी ट्रॉफी है, जो विंबलडन और सिनसिनाटी ओपन के बाद आई है.

> पहले सेट में स्वियातेक अपनी लय से भटकी हुई दिखीं. उन्होंने कई डबल फॉल्ट किए और उनके शॉट्स बाहर जा रहे थे, जिसका फायदा उठाते हुए अलेक्जेंड्रोवा ने 6-1 से आसानी से सेट जीत लिया. लेकिन स्वियातेक ने हार नहीं मानी. दूसरे सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ. अलेक्जेंड्रोवा ने जीत के करीब पहुंचकर भी सेट नहीं जीत पाईं और स्वियातेक ने टाईब्रेकर में 7-3 से जीत हासिल कर मैच को निर्णायक तीसरे सेट में खींच लिया. तीसरे सेट में भी कांटे की टक्कर जारी रही. एक समय स्वियातेक ने एक ही गेम में तीन डबल फॉल्ट कर अलेक्जेंड्रोवा को ब्रेक का मौका दिया, लेकिन उन्होंने तुरंत वापसी करते हुए अपनी सर्विस पर नियंत्रण बना लिया. अंत में, छह बार की ग्रैंड स्लैम विजेता स्वियातेक ने एक शानदार फोरहैंड विनर लगाकर जीत पक्की कर ली. जीत के बाद स्वियातेक ने अपनी प्रतिद्वंद्वी की सराहना करते हुए कहा, ऽईमानदारी से कहूँ तो मुझे नहीं पता कि मैं यह कैसे जीती, क्योंकि आप शानदार खेल रही थीं. मैंने बस मैदान में बने रहने की कोशिश की. उन्होंने यह भी मजाकिया लहजे में कहा कि इस जीत से उन्होंने अपने पिता टोमास्ज की 1988 के सियोल ओलंपिक में पदक न जीत पाने की नाकामी की भरपाई कर दी है.

फर्नांडिस की शानदार गोल से यूनाइटेड जीता

लंदन, 21 सितम्बर. ब्रूनो फर्नांडिस के महत्वपूर्ण गोल की बदौलत मैनचेस्टर यूनाइटेड ने शनिवार रात प्रीमियर लीग के रोमांचक मुकाबले में चेल्सी को 2-1 से हराकर वापसी की. इस जीत के साथ, यूनाइटेड अंक तालिका में नौवें स्थान पर पहुंच गया है, जिससे टीम का मनोबल काफी बढ़ा है.

मैच की शुरुआत में ही चेल्सी के गोलकीपर रॉबर्ट सांचेज़ को पांचवें मिनट में रेड कार्ड दिखाया गया, जिसका फायदा उठाते हुए फर्नांडिस ने 14वें मिनट में शानदार गोल कर यूनाइटेड को बढ़त दिलाई. इसके बाद, कासेमीरो ने भी एक हेडर से गोल कर टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया. हालांकि, कासेमीरो को भी रेड कार्ड मिलने के कारण उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा, जिससे यूनाइटेड को 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा.

मैच के बाद, यूनाइटेड के कोच एमोरिम ने अपने हमवतन खिलाड़ी फर्नांडिस की जमकर तारीफ की. उन्होंने कहा, वह हर प्रशंसा के हकदार हैं. एमोरिम ने यह भी कहा कि फर्नांडिस को क्लब के इतिहास में शामिल होना चाहिए, क्योंकि उन्होंने यूनाइटेड के लिए अपना 100वां गोल पूरा किया है.

मिथुन मन्हास बीसीसीआई के नए अध्यक्ष होंगे

नई दिल्ली, 21 सितम्बर. पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली के बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) की कमान संभालने के बाद अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के शीर्ष पद पर भी एक पूर्व क्रिकेटर की वापसी होने जा रही है. सूत्रों के अनुसार, पूर्व दिल्ली के बल्लेबाज मिथुन मन्हास बीसीसीआई के अगले अध्यक्ष बनने के लिए तैयार हैं. दिल्ली में हुई एक बैठक में मन्हास को इस पद के लिए सर्वसम्मति से चुना गया है.

मन्हास, जो डूलिप ट्रॉफी के लिए उत्तरी क्षेत्र के संयोजक रह चुके हैं और आईपीएल फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटंस के सहायक स्टाफ का भी हिस्सा थे, फिलहाल जम्मू और कश्मीर क्रिकेट संघ (जेकेसीए) के प्रशासक के रूप में कार्यरत हैं.

अपने 18 साल के करियर में 157 प्रथम श्रेणी मैच खेलने वाले मन्हास ने कुल 9,714 रन बनाए हैं. वह पूर्व अध्यक्ष रोजर बिन्नी की जगह लेंगे, जिन्होंने 70 साल की आयु सीमा नियम के कारण पद छोड़ा है.

मन्हास का अध्यक्ष पद के लिए चुना जाना आश्चर्यजनक रहा, क्योंकि इस दौड़ में हरभजन सिंह और रघुराम भट्ट जैसे पूर्व क्रिकेटर भी शामिल थे. बोर्ड में अन्य प्रमुख पदों पर भी पुराने चेहरों को बरकरार रखा जा सकता है. देवजीत सैकिया सचिव बने रहेंगे, जबकि अनुभवी राजनेता राजीव शुक्ला उपाध्यक्ष के रूप में अपना पद बरकरार रखेंगे.

> पूर्व कर्नाटक के खिलाड़ी भट्ट को कोषाध्यक्ष बनाया जा सकता है, जबकि छत्तीसगढ़ क्रिकेट संघ के प्रभतेज सिंह भाटिया को संयुक्त सचिव का पद मिलने की उम्मीद है. वहीं, अरुण धूमल का आईपीएल चेयरमैन का पद बरकरार रहना तय है. हालांकि, बीसीसीआई इस बात की कानूनी राय ले रहा है कि क्या धूमल को तीन साल तक कोषाध्यक्ष रहने के बाद आईपीएल चेयरमैन के रूप में भी कूलिंग ऑफ पीरियड से गुजरना होगा. बोर्ड की नई एपेक्स काउंसिल और आईपीएल गवर्निंग काउंसिल के लिए भी चुनाव होने हैं. पूर्व अधिकारी निरंजन शाह के बेटे जयदेव शाह को एपेक्स काउंसिल में शामिल किया जा सकता है. सौराष्ट्र के लिए 120 प्रथम श्रेणी मैच खेल चुके जयदेव एक अनुभवी खिलाड़ी हैं.

इटली ने बिलि जीन किंग कप का लगातार तीसरा खिताब जीता

अमेरिका को 2-0 से हराकर बनाया रिकॉर्ड

कोकियारेटो और पाओलिनी ने शानदार प्रदर्शन किया

पाओलिनी ने पेगुला को 6-4, 6-2 से हराया

शेन्ज़ेन (चीन) 21 सितम्बर. इटली ने रिकॉर्ड 18 बार की चैंपियन संयुक्त राज्य अमेरिका को 2-0 से हराकर बिलि जीन किंग कप का खिताब लगातार तीसरी बार जीत लिया है। इस जीत के साथ, इटली ने प्रतिष्ठित महिला टीम प्रतियोगिता में अपनी ट्रॉफी की संख्या छह तक पहुंचा दी है।

यह जीत एलिसाबेटा कोकियारेटो और जैस्मीन पाओलिनी के शानदार एकल प्रदर्शन के दम पर हासिल हुई, जिन्होंने शेन्ज़ेन में अपनी टीम को चैंपियन बनाया और 2017 के बाद से अमेरिका के खिताब का इंतजार और बढ़ा दिया।विश्व नंबर आठ पाओलिनी ने जेसिका पेगुला के खिलाफ अपने छठे मुकाबले में 6-4, 6-2 से अपनी पहली जीत दर्ज की,.

> पाओलिनी ने कहा, यह एक शानदार सप्ताह रहा और इस प्रतियोगिता में खेलना हमेशा अद्भुत होता है. यह बहुत कठिन था, इस साल हमने बहुत मजबूत टीमों के खिलाफ खेला और आज अमेरिका के खिलाफ जीत की हमें उम्मीद नहीं थी, इसलिए हम इस जीत से बहुत खुश हैं.

ईशा सिंह ने जीता सीनियर वर्ल्ड कप स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, 21 सितम्बर. भारतीय निशानेबाज ईशा सिंह ने भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया. उन्होंने चीन के निंगबो में अपने करियर का पहला सीनियर वर्ल्ड कप स्वर्ण पदक जीता. 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में उन्होंने ओलंपिक चैंपियन सहित कई दिग्गज खिलाड़ियों को 0.1 अंक के बेहद कम अंतर से हराया.

20 वर्षीय ईशा ने इस जीत को अपने खराब दौर के बाद एक आश्वासन बताया और कहा कि यह उनकी कड़ी मेहनत और तकनीकी सुधारों का परिणाम है. ईशा ने बताया कि वह अब नवंबर में होने वाली राइफल/पिस्टल विश्व चैंपियनशिप के लिए खुद को तैयार कर रही हैं.

चुनाव | **28 सितम्बर को लग जाएगी मुहर!**

दिल्ली के इस खिलाड़ी को मिल सकती है बीसीसीआई अध्यक्ष की कमान

नई दिल्ली 21 सितम्बर. मिथुन मन्हास भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अगले अध्यक्ष बन सकते हैं. शनिवार, 20 सितंबर को दिल्ली में बीसीसीआई अधिकारियों की मीटिंग के बाद ये खबर सामने आई है कि उन्हें किसी तरह की कोई चुनौती नहीं मिलेगी. बता दें कि अध्यक्ष पद का चुनाव 28 सितंबर को होने वाली एनुअल जनरल मीटिंग में होगा.

45 साल के मिथुन मन्हास ने लम्बे समय तक दिल्ली के लिए घरेलू क्रिकेट खेला. मन्हास को किसी तरह की कोई चुनौती नहीं मिलेगी, वह निर्विरोध बीसीसीआई अध्यक्ष चुने जाएंगे. वह 28 सितंबर को होने वाली एजीएम में जम्मू-कश्मीर क्रिकेट संघ की ओर से प्रतिनिधि के तौर पर शामिल होंगे.

राजीव शुक्ला फिर बनेंगे उपाध्यक्ष

बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया के अपने पद पर बने रहने की संभावना है. वहीं माना जा रहा है कि राजीव शुक्ला अपने पद (बीसीसीआई उपाध्यक्ष) पर बने रहेंगे. राजीव शुक्ला ने रोजर बिन्नी का कार्यकाल खत्म होने के बाद अंतिरम अध्यक्ष के तौर पर काम किया था. बता दें कि रोजर बिन्नी की उम्र 70 साल हो गई, जिसके कारण उन्हें अपना बीसीसीआई अध्यक्ष का पद छो?ना प?ा था. आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल भी अपने पद पर बने रहेंगे वहीं कोषाध्यक्ष प्रभतेज भाटिया का प्रमोशन होना तय माना जा रहा है, वह संयुक्त सचिव बनेंगे, जबकि कोषाध्यक्ष रघुराम भट्ट को बनाया जा सकता है.

गांगुली सीएबी अध्यक्ष पद पर लौटेंगे?

ब्रिसबेन, 21 सितंबर. पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली की सोमवार को यहां होने वाली बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में निर्विरोध अध्यक्ष पद पर वापसी तय है, लेकिन उनका दूसरा कार्यकाल अधिक चुनौतीपूर्ण होगा क्योंकि हाल के महीनों में संघ वित्तीय अनियमितताओं और विश्वसनीयता संबंधी चिंताओं से जूझ रहा है. गांगुली के नेतृत्व वाले पूरे पैनल ङ्क बबलू कोलाय (सचिव), मदन मोहन घोष (संयुक्त सचिव), संजय दास (कोषाध्यक्ष) और अनु दत्ता (उपाध्यक्ष) ङ्क का भी निर्विरोध चुना जाना तय है. भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के पूर्व अध्यक्ष 53 वर्षीय गांगुली अपने बड़े भाई स्नेहाशीष गांगुली का स्थान लेंगे, जिन्हें लोढ़ा समिति के निर्देशों के अनुसार कार्यकारी पदों पर छह साल की समय सीमा पूरी होने के बाद पद छोड़ना पड़ा था. हाल के दिनों में विवादों की एक श्रृंखला के कारण सीएबी की छवि को नुकसान पहुंचा है, जबकि रणजी ट्रॉफी टीम का प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा है. वित्त समिति के सदस्य सुब्रत साहा पर हाल ही में दो लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया तथा हितों के टकराव का दोषी पाए जाने पर उन्हें उप-समिति की गतिविधियों से प्रतिबंधित कर दिया गया.